



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]
No. 87]

नई दिल्ली, बुधवार, प्र० 24, 1991/वैशाख 4, 1913

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 24, 1991/VAISAKHA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक अधिकार

(आयात अधारान नियंत्रण)

आयातिक सूचना सं. 146-आई टी सी (पी.एन.)/90-93

नई दिल्ली, 24 अप्र०, 1991

विषय:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11.450 विलियन येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण सं. आई टी पी-82 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के अधिक में लाइसेंस दाताने।

काल सं. आई टी/23(71)/90-93:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के सिए 11.450 विलियन येन के लिए मेन क्रेडिट ऋण के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात की लाइसेंसिंग दाताने पर लागू होने वाली दाताने इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में भी गई हैं जिन्हें सचिवालय अनुमति दिया जाता है।

श्री आर. महता, मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रण

वाणिज्य संकालन की सार्वजनिक सूचना सं. 146-आई टी सी (पी.एन.)/90-93, विनांक 24-4-91 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11.450 विलियन येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण सं. आई टी पी-82 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग दाताने।

खण्ड-1 सामान्य दाताने

1(1) तमिलनाडु विधुत बोर्ड (टी.एन.ई.वी.) की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना की आयात आवश्यकता के विलान के सिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किये गये 11.450 विलियन येन का ऋण जापान और विकास-शील देशों जिनमें भारत और ओईसीएफ, के मानी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए उपलब्ध है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिकार की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुभव-1 की सूची में उच्चत सभी देशों से (भारत सहित) आयात की जा सकती है। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पाल और देने होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन पेवल उभी देशों और उसी मूल्य के लिए आवश्यक जाती किए जा सकते हैं जिसके लिए यहांनी देश सेवाओं की विकास-शील दातान सहित द्वारा विदेश रूप से विकासी कर दी गई हो।

इस फ्रेडिट के ग्रधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 12,595 रियलियन येन (लागत भीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रपये में मूल्य राजस्व विभाग (भीमाशुल्क) द्वारा प्राधिकारित विनियम दर और आयात लाइसेंस भारी करने की नियम को प्रत्यक्षित दर और मूल्य वियक्त आयात-नियमित द्वारा जारी की गई नार्यजनिक सूचना में 75-आई टीसी (पी-एस)/74, विवार 8 जून, 1974 के ऐरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सक्रियक दर पर निर्धारित किया आएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि भीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (मो) में विनियाट मुद्रा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के तरे जायेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जारी येन राज्य में, भाई दी पी-62” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “एम/जी भी कोड होगा। यह भोड़ तमिलनाडु विद्युत भोड़ लाइसेंस भेजने समय मूल्य वियक्त, आयात-नियमित के पद्धति में भी बुरहाया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जारी अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

(3) तमिलनाडु विद्युत भोड़ के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-भीमा भाड़े के आधार पर जारी किये जा सकते हैं।

(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करने द्वारा एक से भ्रष्टिक आयात लाइसेंस इस फ्रेडिट के ग्रधीन जारी किए जा सकते हैं। नेकिन, कुल मूल्य 12,595 रियलियन (लागत भीमा भाड़ा) येन में अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर ऐरा (2) में कहा गया है।

(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अधिक के लिए बृद्धि दी जा सकती है। आगे और बृद्धि करने के लिए/मात्रा आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे अधिक कार्य विभाग (जारी अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

(6) फ्रेडिट के ग्रधीन “वित्तवान” किये जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् मत्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिवर्धित है।

(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेशन की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जायेगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय प्रभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। नेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के द्वी भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रभारित किये जायेंगे।

(8) पक्षके आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त विशुल्क लागत भीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिये जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अधिक के भीतर भार्यिक कार्य विभाग (जारी अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिए। भीमा-प्रभार का भुगतान भारतीय रूपये में आरत में देय होता। “पक्षके आदेशों” का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये उन ऋण आवेदनों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित होने या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ऋण संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिये गये आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पृष्ठिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

(9) भार महीनों की अवधि के भीतर टेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जायेगा जब तक कि टेकों के पूर्ण वस्तावेष आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से छार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जारी अनुभाग) को नहीं पहुंच जाने हैं। यदि उपर्युक्त ऐरा (8) में यथा-उल्लिखित पक्षके आदेश भार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिये जा सकते

हैं तो भार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने द्वारा भीमसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में बृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जायेगा। वे अधिक से अधिक भार महीनों की और अधिक के लिये बृद्धि प्रदान कर सकते हैं। नेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से भ्रष्टिक के लिए मात्री जारी है तो ऐसे प्रभाव विपर्याद स्थान साइरेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक जारी विभाग (जारी अनुभाग), नार्थ ब्लाक, तक विदेशी को भेजे जायेंगे जो कि ऐसी बृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंसधारी को भेजेंगे। जिसको वे साइरेंसधारी को प्रेरित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी बृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के ग्रधीन किये गये संभरण टेकों को पूर्ण करने के संबंध में सख्त-पक्ष स्पष्टित करने के लिए प्राधिकार पत्र और सूची यथा अमा करने प्राप्ति की स्वीकृति अद्वितीय मूल्यांकनों की अनुमति देंगे।

(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति वे भार महीने के भीतर मात्री भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलधान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसे में नकद आधार पर अर्थात् पोतलधान वस्तावेषों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक में भारतीय आयातक की किसी भी किसी भी क्रृष्ण मुक्तिया उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के विचारण की अवधि के लिए ऐसे में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“भारतीय की प्राप्ति के बाद —————— महीने परन्तु प्रधिक से अधिक —————— के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलधान के लिए आधिकारी लिपि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह लिपि 31-10-1994 के बाद की नहीं।

गण्ड 1—संभरण टेकों का समझौता करने समय छयान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

(1) टेको का जहाज पर्यात निष्कृत/लागत भीमा भाड़ा मूल्य येन में (येनकी भिन्न के लिए) अधिष्ठक्त होना चाहिए और भारतीय अभिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो, तो वह अमिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय लूपये में छुकाना चाहिए।

(2) गण्ड की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी भारतीय सेवाओं का अधिप्राप्ति के अंतर्गत अधिश्वालिपि के लिए भारतीय विशेषों के अपूर्ण विद्युत्यों के अपूर्ण विवरण सम्पूरक शर्तों के साथ की जाएगी:—

(क) कम में कम 500 रियलियन येन के अनुमानि; मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्ण गण्ड महीने अंतीपालिक खुल्ले अस्तराइट्य प्रिविडिया से गिर अधिप्राप्ति क्रियालिपि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पहली अनुदान के लिए ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पक्ष प्रस्तुत रखने उसमें पूर्ण अनुमोदन प्राप्ति दिया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार की निर्णय का नोटिस जारी करने से इसके बाद भीमी सूचीकृत वीरियों सहित निर्णय के अनुमोदन के

अनुभोवन के लिए आवेदन पत्र और ई.सी.एफ. को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बारी सूचीकरण के अनुभोवन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अंद्रेता को मूल्यांकन रिपोर्ट, बोर्ड-कार्डों को लिए गए नोटिस और अनुरेता बोल। प्रपत्र, प्रसादित ठेका विधिविवरण और इश्य और ब्रीफों में संबंधित अन्य दस्तावेज आई.सी.एफ. को भी पुनरावृत्ति के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(क) **500 निशियत** में कमे कम अनुभोवन मूल्य के मात्र और दस्तावेजों को अधिकारित के मामले में टेके के निर्णय के लिए और ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन को अवश्यकता नहीं है अंद्रेता कि निविदाओं के लाल लार्क-तपत रूप से विवाहित हों। लेकिन यदि और ई.सी.एफ. अनुरोध करते तो विकास मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उपर्युक्त उपराजा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) **प्रायात्मक उपर्युक्त** (क)(१), (क)(२), (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आधिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उपर्युक्त दस्तावेज और ई.सी.एफ. को भी जैसे आएंगे।

(2) विवेणा नमस्कर को निम्नानु उनके गम में बैक अकड़िया, टांकियों द्वारा १५८७-९० के लिए और ई.सी.एफ. येन केल्टिक (परियोजना सहायता) में, आई.सी.-६३ के अधीन ज्योति और अपरिवर्तनीय साधनों के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका ब्याप्ता नं.के खण्ड-७ में विद्या गता है।

2(4) संभरक की प्रक्रिया

संभरक पत्र ज्ञात देशों के राष्ट्रिक या पाल ज्ञात देशों में नामिल किए भए तथा पंजीकृत किए गए वैध अधिक होंगे और पाल ज्ञात देशों के राष्ट्रिकों से निर्भरित होंगे।

2(5) अपवृक्षों के अनुमेय व्यायाम

जिन अनुभुवों में अपाल ज्ञात देशों में बर्नी हुई सामग्री निर्वात है उपरे किया वित्तान किया जानकारी है वहाँ कि निम्नलिखित मूल्य के अनुसार ऐसे उत्पाद को प्रति यूनिट का मूल्य मनवार आवार पर व्यायामित भाग के ५०% से कम हो।

आवामित नामा बंसा भाड़ा मूल्य + व्यायाम शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्वत नियूलक मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक्स-फैक्टरों मूल्य अपनाया जाएगा)

2(6) संविदा में व्योगणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक को प्राप्ती और संभरक के हम्मात्राएं और नारीय में निम्नलिखित व्योगणा जोड़ी जाएगी।

“मैं, अधिकारी एवं एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि संसरित किया जाने वाला माल (संसिद्धि पात्र ज्ञात देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं, अधिकारी अग्रे यह प्रमाणित करता हूं कि मेरे पूरा ज्ञानकारी और विवरण के अनुसार पत्र ज्ञात देशों में व्यायामित भाग निम्नलिखित मूल्य के अनुसार ३०% से कम है।

आवामित नामा बंसा भाड़ा मूल्य + व्यायाम शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्वत नियूलक मूल्य

(जहां पर्श फैक्टर मूल्य लागू हो)

मैं, अधिकारी एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि (कम्पनी का नाम) पात्र ज्ञात देशों का नाम में समाविष्ट

चौर पंजीकृत है और (संबंधित पात्र ज्ञात देशों का नाम) के राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित है।”

बाण्ड—३ संभरण डेकों में निम्नलिखित भवानिष्ट की जानेवाली शर्तें।

३(१) संभरण डेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) डेकों की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विवेणी आधिक विवरण निपित्र (ओईसीएफ) के बीच बेसिन ब्रिज ऐप ट्रेक्याइल परियोजना के लिए येन क्रोडिट में आई ईपी-८३ (परियोजना सहायता) से संबंधित ३२ मार्च, १९९० को हुए अण भवभौतिके अनुसार होना चाहिए और वह भारत सरकार और विदेशी आधिक विवरण निपित्र के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भूगोल, भारत सरकार और जापानी विदेशी आधिक महायोग निपित्र (ओईसीएफ) के बीच येन क्रोडिट में, आई ईपी-८३ से संबंधित ३७-३-९० को हुए क्षण भवभौतिके अधीन बैक आफ ईडिया, टांकियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपरेवर्टनीय भाव एवं वात्र के माध्यम से किए जायेंगे।

(ग) संभरक एसी सूचना और वस्त्रावेणों का प्रस्तुत करने के लिए भवभौत होना जो एक और भारत सरकार द्वारा भी दूसरी ओर और ई.सी.एफ. द्वारा येन क्षण के अधीन प्रयोगित हों।

(घ) २(७) में उल्लिखित प्राप्त से प्रमाणाप्त (वाल प्रतियों में)।

(इ) यदि किसी समस्त में संभरक जापान से स्थित हो तो संभरक भविता के संबंध में एक द्वारा होना चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय यूनिवास टांकियों के परामर्श पर पोस परिवहन व्यवस्था करने के लिए भवभौत है और इस उत्तरण के लिए यह भारतीय यूनिवास टांकियों को शामिल भाग की सुपुर्वी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा। और पोलनदान से कम से कम ६ सप्ताह पूर्व भारतीय हूतावास को सूचना देगा जिसके कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहां भारतीय व्यायाम इच्छक हो, सूचना की इस व्यवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोलनदान के परामर्श आवाक्षयिक ओर दूसरे हुप नार में सूचना भेजने के लिए भवभौत होना चाहिए और उसका एक प्रति भारतीय यूनिवास टांकियों को भेजा जाना चाहिए।

खण्ड ४ ओईसीएफ. द्वारा डेके देने की पुनरीक्षा

४(१) लाइसेंसधारी की एके व्यावेश देने के लिए निर्धारित व्यवधि के अंतर आवाक्षयिक और विवेणी संभरकों दोनों द्वारा विविधत इस्लाक्षित डेके की जारी प्रतियों जो विवेणी संभरकों द्वारा विविध देने में पुष्ट आदेश के गाय द्वारा या उनकी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत वैध व्यायाम लाइसेंस की यो फोटो प्रतियों सहित आर अनुबन्ध-२ के मात्र में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए प्रावेदन की दो प्रतियों आधिक कार्य विभाग की भेजनी चाहिए।

४(२) उपर्युक्त विवाहित डेकों की विवरणस्तु या उसकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी जारी हो जिनके कारण व्यवधारण अप से आणोधन करने वाले।

४(३) वित्र मंजालय (आधिक कार्य विभाग) डेके की एक प्रति के साथ डेके के नियोग का नोटिस समीक्षा के लिए श्री ईसीएफ की भेजेगा। व्यायाम लाइसेंस की फोटो कारी और “प्राधिकार पत्र

जारी करने के लिए आवेदन" की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति भार्यिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टीकियो और सो.ए.ए.ए.ए.के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड 5 विदेशी सभरकों को भगतान साथ पढ़ किया विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटेस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर, गहायला लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैक अपक इंडिया को टोकियो गांधा की सम्बोधित मंत्रगत घन्तुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैक अपक इंडिया की टोकियो ब्रांच संबंधित विवेशी संभरक के नाम में मंत्रगत घन्तुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या मंत्रवन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिक्षेत्रीय प्राप्तवत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की विधियां और इसी एक भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैक, आधिकारिक कार्य विभाग (जपान घन्तुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5 (2) प्राधिकार एवं विलंब पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबंध
 4. (वास्तविक प्राधारों के लिए लागू होता है) या अनुबंध 5 (वर्तमान)
 के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संस्थाओं के
 नाम में अपरिवर्तनीय मात्रावध की स्थिति करेगा और उसकी एक
 प्रति विवेणी प्राधिक सहयोग निधि (ओर्डर सीएफ), भारतीय दूतावास
 टोकियो, भारत में आवातक के बैंक और सहयोग लेखा एवं लेखा
 परीक्षा नियमक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एच.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर सांख्यिकीयों के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन भा अन्यथा के लिए प्रावध्यक समझ जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/सांख्यिकीयों के संशोधन पर स्वतं लाग होगी।

5(3) माल का पोतलक्षण करने के बाद विवेशी संभरक अपने बैकरों के माध्यम से साल्पत्र में उल्लिखित दस्तावेज बैक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज व्यवस्थित पाए जाने पर बैक आफ इंडिया, टोकियो वस्तविजों में उल्लिखित धनराशि की विवेशी संभरक को उसके बैकरों के माध्यम से रिहा करेगे और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विवेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा। डेका मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1%) के बराबर धनराशि प्राप्त होने पर विवेशी आर्थिक सहयोग निधि बचनबद्धता पत्र जारी करेगा विवेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा स्वयं आने अर्जुन/निधियों से इस धनराशि का भुगतान किया जाएगा। विवेशी आर्थिक महयोग निधि से या भग्याता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना मिलने पर आयातक को इस बचनबद्धता पत्र के प्रभार के बराबर रूपया भारत सरकार के सेवे में जमा करना होगा। आयातक को चालू दरों पर विवेशी आर्थिक सहयोग निधि के भुगतान की सारी रूप से नेकर रूपये जमा करने को तारोख सक (दोनों सारोखों को मिलाकर) के व्यांज का भी भुगतान करना होगा।

आयतिक डाग प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के अंतर्गत भी ०.१% का इसी प्रकार का खनन कराया जाना है।

5(क) साथ पथ औपने उमरके अधीन सेनदेन करने और विदेशी संभरक के बैंकर के प्रभार, यदि कोई हों, तो वे आयातक संभरक द्वारा बहन किए जाएंगे। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से और ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक की अदायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लिए की प्रभारित किए जिन मामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों ने बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो की बैंक परेंजन करने का भाग्यान किया जाएगा।

३ (५) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय मन्त्रकांगे में माल प्रांत सेवाओं की खरीद के लिए अण का रकम को मंविरण के लिए क्रियाविधि अण मन्त्रालय में दू प्रतिपादि क्रियाविधि के अन्वार होगी।

खण्ड— ६ गप्या निषेध करने के लिए उत्तरदायित्वा

6(1) बैंक ग्रांफ इंडिया, टॉकियो संघर आषिकार पद के परिणाम में सकेनिक अनुमार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्रम्य पोत परिवहन वसांवज रिमोज हाँत से धैर्य, भौरतीय रिजर्व बैंक नई बिल्मी या भारतीय स्टेट बैंक, तोत हुजारी दिल्ली में रुपया निकेप कर दिया गया है। दिवंगी संभरक को किए गए बैत भुगतान के समतुल्य रूपये पर व्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक प्रतिवर्ष के लिए 19% प्रतिवर्ष है, पर विंगी संभरक को बैंक ग्रांफ इंडिया, टॉकियो द्वारा भुगतान की नियम से वास्तविक रूप से रुपया जमा करने की नियम सक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई टी सी (पी एन) / 83, दिनांक 10-8-1983 के अनुमार मूल भुगतान के सावधान व्याज प्रभार भी सरकारी सेवे में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज शीतों दिमों वे लिए अर्थात् जिस दिन विंगी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी सेवे में शाय जमा किया जाता है देख है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 1031-आई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना स. 31-आई टी सी (पी एन) 83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना स. 74-आई टी सी (पी एन) / 74, दिनांक 31-5-74।

सभरक को किए जाने वाले भुगतानों की रणि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को घरग से व्यवस्था करती चाहिए। ऐक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के ऐक द्वारा पोन-परिवहन आदि वस्तविकों की देरी या विलम्ब से प्राप्ति को रुपया निवेप पर लगने वाले व्याज को आंशिक या पूर्ण घनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भूगतान के समतुल्य रूपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भूगतान को तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो तारीखनिक सूचना सं. 113-पाईटी सी (पी एन) / 88-91, विनाक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मूल्य नियन्तक आयात-निर्यात की मार्केजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम यिन्हें परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याप्ति की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन भावशक्ति होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह मुनिश्चित करना भारतीय रिकॉर्ड बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि भायातकों को भायात दरावेज़ सीपने से पहले मरकारी खाने में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को भी यह मुनिश्चित कर लेना आविष्ट कि देय धनराशि आगे लैकर्ने से वस्तावेज़ लेने से पहले मरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार भी जमा कर दी गई है। यह मुनिश्चित करने के लिए भायातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अस्तरीय सीमाधूलक प्रधिकारियों से माल की सुरक्षा प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की को सुरक्षा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्रधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य भिन्नशक आयात-नियंता को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और भायात लाते रहे जाएं न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त

रघुवा निषेध किया जाएगा वह "क" डिपार्टमेंट एण्ड ऐडवान्सिंज—8443—सिविल डिपार्टमेंट—डिपार्टमेंट फार परवेजिय एटसदा भारतीय परवेज एण्ड डेविल्ट्स/लोन एपीमेंट्स" लोन फोम दि गवर्नरमेंट भारत जापान 11.450 विलियन येन श्रेडिंग सं. श्रीही ई पी—62 फार दी बेसिस त्रिज गेंग टरावाहन प्रोजेक्ट भारत टी एन ई ई होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक भारत इंडिया, नीस हाशारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिर्धारित नरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बावजूद मात्र विनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित नरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा बच्चों के निमित्त भेजेगा जो [वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा भारी जाए। आलान के विभिन्न कालामों को भरते समय आयातको को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132—ग्राही टी मी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के बैरा 2 में निर्धारित सूचना आलान के कालम "धन परेशन और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यापे" निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) वित्त मंत्रालय के ग्राधिकार पवन की संस्था और विनोंक।

(ख) येन मध्य की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दूर के साथ निषेध किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात सी.ए.एण्ड.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पवन का सम्बद्ध देते हुए और बीजक तथा पीले परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए बजाना आलान रघुवा जमा करने का माध्यम देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड.ए., को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रघुवा का निषेध भारतीय बैंक टोकियों से व्रायायनी की सूचना और पराक्रम्य पोसलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एण्ड.ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को नियम सुनिश्चित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा वित्तमय नियंत्रण प्रहति पर रघुवा निषेधों की धनराशि का पूर्णकरण करना चाहिए और अपेक्षित "एन" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—7 विविध अवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतनवान और उसके ग्राहीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में सार्वजनिक खोलने के बावजूद एक मासिक रिपोर्ट सहायता नेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, पू. सी. औ. बैंक डिल्ली, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में सूचिस करना

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को प्रबंधत कर देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव आते हो।

7(3) विवाद

यह समझ देना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच बदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व

नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूर्ण की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध—2 में "भुगतान की शर्तों" के अस्तर्गत अक्षणी तरह से स्पष्ट कर देनी चाहिए। संभिया की शर्तों से विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदर्शन

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ जाए होने वाले किसी मामले या सभी भाग्यों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. ग्राही टी पी—62 के अधीन सभी भाग्यों की विदेशी प्रार्थिक सहयोग निवि जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-साया पर किए गए निवेशों या आवेदनों का लाइसेंसधारी को बुरन्त पानन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यालयी की जाएगी।

7(6) अमुम्बन्धों की सूची

1. अनुबन्ध—1	पात्र स्वोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध—2	प्राधिकार पवन जारी करने के लिए अनुरोध।
3. अनुबन्ध—3	प्राधिकार पवन का प्रपत्र।
4. अनुबन्ध—4	सार्वजनिक पवन (आयातों के लिए लागू)।
5. अनुबन्ध—5	मालपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)।

उपायन्ध—1

पात्र लोस-देशों की सूची

क. विकासशील देश और देश

(क-1) विदेश प्रार्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिल्क

मोरक्को

तुम्हीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला

बेनिन

बीतस्वाना

बस्त्री

केमरोन

कैप बड़े द्वीप

मध्य अफ्रीका गणराज्य

चाड़

कोमोरों आइलैण्ड

[कांगो, शाहामे के गणराज्य

इब्बेटोरिल गिनी (1)

इथोपिया

जाम्बिया

जाना

गिनी

आइवरी कोस्ट

केन्या

लेसोथो

लाइबेरिया

मलायासी गणराज्य

मालावी
माली
मारिटिनिया, मारिशस
मोजाम्बिक
मेटहैलना और हेप (2)
माओ टोमो और प्रिसिपल
मेनेगल
सेविलीज
मीयरे नियोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैंड
टेरो, अफसं और हरा
टोगो
युगान्डा
तंजानिया गणतंत्र संघ
अपर बोल्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

4. अमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा
बरमूडा
बार्बडोस
बेली
कोस रीकर
क्यूबा
शामिलिकन गणतंत्र
एल सल्वाडोर
गुडान्व
ग्वामाला
हेटे
होडरस
जर्मैक
मार्टिनिको
ट्रिनिडाड और टोबागो ।

पीरु
सूरीपाम
यूमरवे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इरान
जोहोर
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब अमीरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनवादी का शे. प्रार. (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बंगला देश
भूटान
बर्मा
भारत मालद्वीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया
इरनी
हुग कांग
लमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
माओस
मकाओं
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
पार्सीएष
निमोर
वियतनाम गणतंत्र
वियतनाम जनवादी गणतंत्र

8. अंतिमिया
कुक द्वीप समूह
किची
गिल्वार्ट और ई.हस ईप
फासिस पोलिनेशिया (5)
नारू न्यू कोमोडोनिया
न्यू हीविमिस (न्यू और फ.)
नियू
पैलोकिक द्वीप-समूह (मंगुक गज्य) (6)
परुचा न्यू यिनी
सोलोमन द्वीप समूह (फ.)
टोगा
बालिस और फुसुमा
पश्चिमी सामोआ

9. प्रौप
नाइप्रेस.

(1) गहने सेवन गिरी का प्रदेश, फरनाडो पो द्वीप सहित ।
(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित:—एस्केनियन ट्रिरटणी एनएसेसियस्स, नाइटिनेग, गफ

(3) मुख्य द्वीप समूह, ग्रेबा, बोमाइरे, क्यूरा काओ, ताहा सेष्ट
3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय

वेस्टइंडीज (याका) एन. अर्थात् :

फ. सह-सम्बन्ध गज्य (1)
फ. आशिन (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

भर्जेटीना
बोलिविया
ब्राजील
विनी
कोलम्बिया
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिरी
ग्रेनाडा
पराग्वे

जिल्हालंग

प्रीम

माला

स्पैन

तुर्की

यूरोपीय संस्थानिया

यूनाइटेड किंगडम

संयुक्त राज्य अमेरिका

उपायकार्यालय 2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

प्रावेदन-पत्र

प्रिन्टर

संघर्ष

सेवा भै

गहायता देवा तथा देवा परिवार नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक ब्रिटिश, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय : -- ये न फ्रेडिट मं. आई डी पी (1988 के लिए
परियोजना सहायता) के शंकातः
..... मे..... का आयात।

महोदय,

उपर उल्लिखित ये न फ्रेडिट मं. आई डी (परियोजना सहायता) के विप्रीत शंकातः से..... के आयात के सम्बन्ध में..... (बैंक का नाम)..... जो कि वही होता वाहिए, जो नीचे (ग) में सम्बद्ध विवेगों संभरक के नाम में साखपत्र लोकने के लिए दिया गया है के पश्च में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित बड़ी प्रस्तुत करते हैं--

(क) भारतीय आयातक का नाम शीर बना।

(ख) प्रायात लाइसेंस की संख्या, विनाक और भल्य और वह तारीख जिस तक बैध है।

(ग) अधिग्राहित के तरीके..... व्या वह सीधे अथ पर आधारित है या औपचारिक लूपी अन्तर्राष्ट्रीय निवाप पर आधारित है। इसके मामले में कारणों सहित वह निर्दिष्ट करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ.) माल का उत्पाद देश।

(च) यदि कोई हो, तो माल में इतर खोल देशों से आयातित संघटकों का प्रसिद्धान।

(छ) संविदा का कुल जहाज पर्यात निःशुल्क/लागत और भांड भल्य (ये न में)।

(ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन के धनराशि (ये न में)।

(झ) वास्तविक जहाज पर्यात निःशुल्क लागत और भांड भल्य (ये न में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(झ) यदेशी के मंभरकों के माय की गई संविदा को भंडा एवं विनाक।

(ट) विदेशी मंभरक का नाम और पता।

(ठ) वे भूगतान शर्ता और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अन्तर्गत भूगतान देय होंगी।

(ङ) मुपुर्देशी को पूर्ण करने की प्रत्याधित तिथियाँ।

(ङ) बैंक और दृष्टिया, दृष्टियों को भूगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका मिपटाम दिखाते हुए)।

- (1) मूल्य द्वीप एन्टिगुआ और बिसिनिका, ब्रेनेडा, सैल बिस (सेट फ्रिस्टोफो) नेविस-ब्रिगडला, सेट लुमिया और सेल्ट बिसेट।
- (2) भेन आइलैण्ड, बोल्डेसरन, येसाव तुर्क और काइकोस और किटिण वर्जिन द्वीप समूह।
- (3) अरजमन, बुर्बा, पूजीगाह, राम अलग्वेमाह, शरजाह और अल्य भल खैवायन।
- (4) अधन और विभिन्न संस्कृत और अमीरा तम्सहित।
- (5) सोमाइही आई लैण्ड समूह (ताहिनी सहित) को शामिल करो इन आस्ट्रल द्वीप समूह, दुआमांट-कोमिक्यर ग्रृप और मारकोस द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, पार्सेल द्वीप समूह और मेरिमा द्वीप समूह (ग्राम को छोड़कर)

(वा-2) ओ.पी.ई. मी. के मद्दत्य या भक्षणी देश

1 अल्जीरिया

बोलिविया

नीदरलैंड अरब गणराज्य

बोलीन

नाइजीरिया

इस्टवेडोर

बैन्जुधाना

ईरान

ईराक

कुवैत

बतार

भाउदी ग्रन्ड

आब्द्यानी

इस्लामोनिया

का: ओ.ई.सी.ओ. देश

2 आस्ट्रेलिया

बेलजियम

कनाडा

ऐनमार्फ

फिनलैण्ड

कोर

जर्मन मंध गणराज्य

भ्रीम

आइसलैण्ड

इटली जापान

जापान

लद्दाख जापान दी नोवर लैण्ड

न्यजीरीय

नार्वे

पुर्तगाल

स्पैन

स्वीडन

स्विटजरलैण्ड

टर्की

(ग) पोतलदात अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्टिशनमेट) की अनुरूपि वंश गई है या नहीं, निशिष्ट कीजिए।

(ग) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पा।

(ग) यह उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की मंत्रालय, दिनांक और मूल्य और विसंगतालय का वह संकर्ष दिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी.एफ को इसे अधिसूचित किया गया है।

(द) यह साखपत्र के संवादन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ हिंदिया टोकियो को देप बैंक जैसे आयातक द्वारा/या संभरकों द्वारा बहात जिए जाने हैं।

(ध) आयातक द्वारा अनुबंधः—हम प्रत्येक द्वारा संविदारित तरीके से और दर में विदेशी संभरक को किए गए भूगतान के समतुल्य रूपों की पूरा और सही जमा करने का वक्त देने हैं। प्रत्येक निशेष, माल (आयातिन मालमी) की मापुदीयी लेने से पूर्व तरकान ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के लक्ष्यस्थिति बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनको अदायगी करने ही विदेशी राष्ट्रीयता वालों की देवाओं के लिए भूगतानों के भाग में निशेष कर दिए जाएंगे और संभरकों को भूगतान कर दिया जाएगा।

उपायान्त्र-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र में)

भारत सरकार
विन संवादन
प्राधिक कार्य विभाग
मई दिनांक, विनांक

मेवा में

बैंक आफ हिंदिया,
टोकियो शाक्ता,
टोकियो (जापान)

विषयः—येर के लिए (परियोजना सम्मान) क्र०५ करार वं. आई.ई.पी.एफ. के अधीन आयात साखपत्र-योजने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

[प्रथम महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यह संवाद औरे के अनुसार संबंधी के नाम में प्रत्येक वनराजि के लिए अपरिवर्तीय साखपत्र योजने के लिए प्राधिकार किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा योरे गप प्रत्येक साखपत्र के प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.गी.एफ, भारतीय द्रुतावान, टोकियो और हमें पृष्ठाक्रिय की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भूगतान आपकी निधि में रिया जाएगा। आप ओ.ई.सो.एफ. को प्रावधारक वस्तावेज भेजकर, लिए गए भूगतान की प्रतिसूचि का दावा नहकाल करें।

4. विदेशी संभरक की अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पत्र) नू० नौकरवान वस्तावेज (विनिमय), प्रतिसूचि पूर्ण इस्तावेजों के सैट के साथ तथा संभरक की की गई अदायगी की नामें उपलब्ध की सूचना, तरकाल अदायगी, यदि कोई की गई, तो उसकी प्रति वेज।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भूगतान की तिथि से ग्राई.ई.टी.एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की विधि तक के दीज के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य स्वाज प्रभार भारत गवर्नर के लेखे पर प्रभाव डाले जिसके सामान्य बैंकिंग श्रोतों के माध्यम से भारत संबंधित आयातक के बक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें भावधार खोलने रखरखाव करते और साखपत्रों के संचालन करते और सोश संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित ग्रीर यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों द्वारा विदेशी संभरक/आयातक को ही होने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भूगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ग्राई.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. ऐसे ही आपके द्वारा कोई भूगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस संबालाय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिय है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे विध्य में साखपत्र इस संबालाय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए जिसकी वैधता नहीं होगी।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. हृपया हम करार से संबंधित सभी पत्राचार और भूगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुवेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संक्षेप का उल्लेख करें।

भवदीय,

(मेहरा प्रधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उसके पत्र सं..... दिनांक के संवध में।

उगसे ग्रन्तीय है कि वे बैंकों से विभिन्न दस्तावेजों की छिलीबरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निकेप आवि जमा करने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की छिलीबरी सीधे ही सीमावृक्ष और पतन प्राधिकारियों में लम्ह पोतलदात वस्तावेज भेजे जिस ही प्राप्त कर ली गई हो तो छिलीबरी लेने से पूर्व ही निशेष किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई देवाओं के लिए भूगतान के भाग में से जैसे ही सम्बद्ध बीजक भूगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, तिशेष कर दिए जाएं। निकेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित प्रावधारक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक विनांक के संवध में है। यह प्राधिकार पत्र येर के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/दावेजों को देखें और आयात/विदेशी भूगतान करने समय उचित कराएं।

2(2) उससे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ हिंदिया, टोकियो विदेशी संभरक को येर विदेशी संभरक को येर भूगतान के बराबर रूपवे जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई विनांक के बराबर रूपवे की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113—ग्राई.टी.सी. (पीएन) 88-81 दिनांक 6-4-89 या यस्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भूगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की तिथिक दर पर की जाएगी। प्रथम 30 विनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से यथा और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से यथा जो

कि संभरक को भूगतान की तारीख/बैक आफ ईंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को ममतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संयोगित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पीएन)/83 दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराता है। अब दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भूगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर नेना चाहिए कि आयातक को सीमाण्णक निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिया जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई बिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में जालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका आयत सार्वजनिक सूचना संख्या 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68—233 आई टी सी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74-आई टी सी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 183-आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर विलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रूपया जमा कराता है। 'के डिपाजिट्स एण्ड एडवांसेज 8443 सियल डिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार परेजिन एडसेट्रा प्रत्रात्र अन्दर परेज अंतर केंटिंग नोन एंटीमेंट' नोन काम द गवर्नर्मेंट आफ जापान 11.450 विलियन येन केंटिंग (परियोजना भवायता) सं. आई. डी पी/ 62 फार. 1989-90 है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ ईंडिया, नई बिल्ली या स्टेट बैंक आफ ईंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में जालान की मूल स्तर में एक प्रतिलिपि उन्हें द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाती चाहिए, जिसके साथ बैंक औंक हंडिया, टोकियो शाक्का से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अप्रेण पत्र होना चाहिए।

भूमायती लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

बी विंग, ५वी तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली।

जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुए ही द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा रूपया इस विभाग की भेजना चाहिए।

संभरक को भूगतान की तारीख

संभरक को भूगतान करने की नियत और ड्रॉई.सी.एफ. द्वारा बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की नियत के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को देय अब जालान प्रभार बैंक सूची के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डालें बिना बैंक आफ ईंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णित किए जाएंगे।

3. नियंत्रक अर्ण विभाग-2 विदेशी आर्थिक संस्थायों नियत टाकेवासी गोडो विलिंग, 4-1 श्रीहेमारी-1, कोमो, विलोडा-कू., टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय दत्तावाम, टोकियो।

5. अवर मवित्र, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

प्रधन ड्रॉई.सी.एफ.ग.ल.सी.-1
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (कहाणी) और विवेशी सहयोग नियत के बीच हुए अर्ण करार सं. दिनांक के अनुसारण में जारी किया गया है।

महोदय,

इस आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बोजिक मूल्यों के लिए आपके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या संकेतों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. — द्वारा दिया है जो — (अर्थात् ये न) भी कुछ धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिजिक बीजक, पीत परिवहन निवन्ध लदान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा मैट हो, और पृष्ठांकित एवं लिनित 'फ्रेट एवं नोटिफिकेशन' प्रक्रित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलदान (माल के लक्षण का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करने हुए भवित्व में (मदि कोई ही) के संदर्भ में संकेतित तक आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनानुसार स्वीकृत है। लदान बिल तक बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट तक लेन-देन के लिए अवधि प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस अर्ण के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर 'अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. दिनांक के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात संबंध संबंधाएं (यदि कोई ही) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरण नहीं है।

इस एन्ट्रुडारा बचत देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करते पर और आदेशों की बस्तावेजों की सुपूर्वी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट 'यूनिकार्म कस्टर एण्ड प्रेस्टिस फार डाकूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिलीजन) हण्टरलेणल बैंकर आफ कामसं, प्रिलिकेशन सं. 290' के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त अर्ण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग नियत द्वारा जारी किए गए वस्तनबद्धता पत्र की अवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग नियत से अपने भूगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करते के बावजूद वस्तन देते हैं कि हम लेनदेन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए उसे ड्राफ्ट और वस्तनवेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाण-पत्र अवधय भेजना चाहिए कि ये वस्तनवेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा जारी किए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,
 ()
 वाणिज्यिक बैंक
 द्वारा
 प्राधिकृत हस्ताक्षर
 उपायक्रम-5
 प्रपत्र नं. १३.११.१२.१२.२
 अपरिवर्तनीय साक्ष-पत्र
 (सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

यह साक्षपत्र (जहाँ) और विवेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए

क्रृष्ण करार सं
 दिनांक
 के अनुसरण में जारी किया गया है।

(संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे साम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल बनराशि (येन से अधिक नहीं है) के लिए आवेदन के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साक्षपत्र सं खोल दिया है।

इसमें इसके माथ संलग्न भुगतान अनुमूली के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में डेका सं से संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाते चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट मं के अन्तर्गत ड्राफ्ट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतदद्वारा बताते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और शर्तों को दस्तावेजों की सुपुर्दग्दी पर विवरण स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए गए क्रेडिट "यूनिकार्म" कस्टम एए प्रेक्टिस फार डाक्टमेंटरी क्रेडिट्स (1974 विविजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कार्मस ब्रीशर नं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश:—

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (जहाँ और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के गुल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतानों के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारंभिक भुगतानों के मानसे गें उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बाजाय हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित क्रृष्ण समझौते के अधीन जारी किए गए सभ्यनवद्यसा पत्र के उपबन्धों अनुसार विवेशी आर्थिक सहयोग निधि के सुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परिवर्त लेने का बहन देते हैं।

3. उपर्युक्त भव-1 में यथाउल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साक्षपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी जर्बे मायातकों/संभरकों के बाते में देय हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक
 द्वारा
 (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुमूली

यह भुगतान अनुमूली हमारे साक्षपत्र सं का एक अभियां अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

बनराशि येन
 जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज़ : हिताधिकारी का विवरण

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:—

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : बनराशि येन
 जो कुल संविदा का मूल्य प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाता है:—

देय बनराशि

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येन

दूसरी किस्त, येन

अपेक्षित दस्तावेज़ :

(जहाँ अथवा उसके मनोनीत प्रधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण भी एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक :

संबंध :

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संबंध :—क्रृष्ण करार सं के अन्तर्गत परियोजना से संबंधित के नाम के येन के लिए द्वारा जारी किए गए कार्यवाल की सं दिनांक (जहाँ) का प्रतिनिधित्व करते हुए में अधिकृत हस्ताक्षरी, और के बीच संविदा सं दिनांक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विवेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा येन की बनराशि (..... येन मात्र) प्राप्त करने के

लिए को प्राधिकृत करने के लिए
निष्पादन विवरण जारी करता है।

(अष्टपी)
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष घनुवेषण :—
वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णिया
जाएगा।

भुगतान शर्तें
यह भुगतान शर्तें हमारे सामग्री सं का
एक अभिन्न भाग है।

1. प्रारंभिक भुगतान
धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेज़ :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)
धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन वस्तावेजों के महे भुगतान
धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पोत परिवहन वस्तावेजों के महे पूर्ण
भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE (Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 146-ITC(PN)/90-93

Dated : New Delhi, 24th April, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.62 dated 27-3-1990 for Yen 11.450 Billion for the implementation of The Basin Bridge Gas Turbine Project of the Tamil Nadu Electricity Board extended by the OECF of Japan.

File No. IPC/23(71)90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of Equipment and Services under the Yen Credit Loan for Yen 11.450 Billion for the implementation of the Basin Bridge Gas Turbine Project of the Tamil Nadu Electricity Board extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. D. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports & APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 146 ITC(PN) 90-93, DATED—24-4-91.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES

UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.62 DATED 27-3-90 FOR YEN 11.450 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE BASIN BRIDGE GAS TURBINE PROJECT OF THE TAMIL NADU ELECTRICITY BOARD EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen credit of yen 11.450 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Basin Bridge Gas Turbine Project of TNEB is utilised in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-1 which will be eligible countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTIDCG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 12.595 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealer in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.62". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to TNEB a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of TNEB on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 12.595 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may

be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupee to the agent in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm order" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licence should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communicating to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows.

..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB|C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplement stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. IFP. 62 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Eligibility of Supplier.—The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made; provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula.

IMPORTED CIF Price + Import Duty $\times 100$
Supplier's FOB Price

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in.....(name of eligible source country)."

The undersigned, further certify that to the best of my, informations and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula.

IMPORTED CIF Price + Import Duty $\times 100$
Supplier's FOB Price
(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—(name of eligible source country), and is controlled by nationals of—
(name of eligible source countries concerned)."

Section III—Conditions to be incorporated in the Supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P.62 (Project Aid) for Basin Bridge Gas Turbine Project.

(b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.62 dated 27th March, 1990 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF : IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licensee and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached a Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of good, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charge payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V. (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest

charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @12 per cent per annum for the last 30 days and @18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the dated payment by the Bank of India, Tokyo to the overseas supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of public Notice No. 31 ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas suppliers and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976, and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83-dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 113 ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import Licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan 11.450 Billion Yen Credit No. ID-P 62 for the Basin Bridge Gas Turbine Project of TNEB.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand

corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importers Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII-Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licence should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Suppliers before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions instructions orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) no. ID-P. 62 with the Overseas Economic Cooperative Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure-I List of eligible source countries

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of credit (Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara
Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA South of Sahara
Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameron
Cape Verde Islands
Central Africa Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomay

Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana

Guinea	V. ASIA, Middle East
Ivory Coast	Baharain
Kenya	Israel
Lesotho	Jordan
Liberia	Lebanon
Malagasy Republic	Oman
Malawi	Syrian Arab Republic
Mali	United Arab Emirates (3)
Mauritania, Mauritius	Yemen Arab Republic
Mozambique	Yemen, People's D.R.(4)
Niger	VI. ASIA, South
Portuguese Guinea	Afghanistan
Reunion	Bangladesh
Rhodesia	Bhutan
Rwanda	Burma
St. Helena and dep (2)	India
Sao Tome and Principe	Maldives
Senegal	Nepal
Seychelles	Pakistan
Sierra Leone	Sri Lanka
Somalia	VII. ASIA, Far East
Sudan	Brunei
Swaziland	Hong Kong
Terro, Afars and Issas	Khmer Republic
Togo	Korea, Republic of
Uganda	Laos
Un. Rep. of Tanzania	Macao
Upper Volta	Malaysia
Zaire Republic	Phillipines
Zambia	Singapore
III. AMERICA, North end	Taiwan
Cont.	Thailand
Bahamas	Timor
Barbados	Viet-Nam, Rep. of
Belize	Viet-Nam, Dem. Rep.
Bermuda	VIII. OCEANIA
Costa Rica	Cook Islands
Quba	Fiji
Dominican Republic	Gilbert & Ellice Is.
EL Salvador	French Polynesia (5)
Guadeloupe	Nauru
Guatemala	New Calendonia
Haiti	New Hebrides (Br. and Fr.)
Honduras	Niue
Jamaica	Pacific Islands (US) (6)
Martinique	Papua New Guinea
Meixco	Solomon Islands (Br.)
Netherlands An Tilts	Tonga
Nicaragua	Wallis and Futuna
Panama	Western Samoa
St. Pierre & Miquelon	IX. EUROPE
Trinidad and Tobago	Cyprus
III. AMERICA, North & Central	Gibraltar
West Indies (Br.) n.i.e.	Greece
(a) Associated States (1)	Malta
(b) Dependencies (2)	Spain
IV. AMERICA, South	Turkey
Argentina	Yugoslavia
Bolivia	
Brazil Chile	
Colombia	

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessible, Nightingale, Gough.

(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curracao, Saba, St.

Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East
Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R.(4)

VI. ASIA, South
Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East
Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillipines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA
Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE
Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main Islands: Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
the United Kingdom and
the United States.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Date:
To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub . Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid for
199-9)

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (Name of the Bank) which should be the same as given in (p) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier:
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals,

the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE—III
(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid) Loan
Agreement No. ID-P-———Issue of
Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-81 entered into with your Bank, hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen———favouring M/s.———
as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediate reimbursement of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ——(Name and address of the importers' Bank) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the supplier/Importer directly. No reimbursement of such charge is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto———

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer———with reference to their letter No.———dated———

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Bankers. This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii). They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payments to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the dates i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443 Civil

Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements—Loans from the Government of Japan 11,450 billion Yen Credit (Project Aid), No. ID-P 62 for 1989-90.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit (Applicable for goods)

Date :

To _____ This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any)

from _____ to _____. Partial shipments are permitted. Transhipment is _____ permitted Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____. All Drafts and documents under this credit must be marked. "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____, dated _____ and import Reference No. (s) _____ (if any) This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By : _____
(Authorised Signature)

ANNEXURE—V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit (Applicable for Services)

Date:

To _____ This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

(Name and address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No.

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: _____
(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount: _____
being _____ % of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount: _____
being _____ % of the total contract price
to be paid as follow

Amount due _____ Latest presentation _____

1st Instalment: _____

2nd Instalment: _____

Required document: A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date:

Ref. No.

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____, dated _____
issued by _____
for _____ in favour of _____
concerning _____ Project under Loan
Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of _____ (yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____.

(Borrower)

By:

(Authorized Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount: _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (if any)

Amount: _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount: _____
being _____ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.